



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

राज सा रंजः ज य म ग ला ज य म ग ला ॥ हो

उ प स्वा न दे ह त रि त व ला ज म ॥ हो जै से सु

र मु नि दे र ज य व र स क ला सुर ग न मा रि ॥ तै

से मा स पु रा ज ग मा ता रि पु ध्व से न स हा य ज य

॥ १ ॥ म धु क ^{हि} त व म हि षा सुर म ति व र धु व र धा

न दे कारि ॥ वं द्र मु गत रत वि जय मा ता सु न नी
हा य जय ॥ १ ॥ जै ~~अ~~ नी म त क है ते न र से न र
से सि धी पा वे ॥ सर व का र्ज सि धी हो हो गु त्वा न
दे ह वि द्या प ति क वि हा ज य म ॥ ३ ॥ रा ग मा घ
या गुः ष ज तिः सि त क ला कु व म द ह ॥ धृ त कु

दन पकली तललितवनमारे श्री जय देव हरे

॥१॥ दिन मुनी मदल मदल ॥ आवषद्रनयमु

निजनमानसहेरि ॥२॥ काली यवुष्वरताजित

॥ ज नर ज नय ज रु कुल नदि नदिनासे ॥३॥

म मु रन के विनासे न ॥ गवदासनय सुर

कुल नदि नदि दा ने ॥ ४ ॥ ज न क सु त कु-नु ष न

॥ जी त दु ष न य स ल स मृत द स द स कं थ ॥ ५ ॥

अमल कमल दल ते व ॥ न व मो व ल य तृ नु व न

नु व न दि वा ल ॥ ६ ॥ अ श्री न य ज लं धर सुं द्र न ॥ ७ ॥

त म प ल य श्री मु ष वं द वं का ल ॥ ८ ॥ श्री ज य दे व

क वे सं द्र ॥ ९ ॥ क र मु द न य स ग ल मु जो ल गृ ते ॥ १० ॥

राग विनासः सितला माहा मिथु गुली वेमाया ॥

दं लपो लव का व या वाल बम उग्र ॥ वा ल ष म उ ग्र क
हना दया व सित ॥ १ ॥ त्रलो माई भुवन स वाल ब या
धु चाल ॥ क हना मिषा ना स्व स या तु न्य धु चाल सिला
॥ २ ॥ लाल वाल ब न ठ नि वि रु मन त स्य ॥ दरसन विव
अना थासि या व सितला माई भु गु लि ष मा या व ॥ ३ ॥

सगविं सः खजतिः इत्वरि गुजेत्वरि मायीः कहु
 नामिषानसो ते अनाथसि यावद् इत्वरि गुजे सोरी मा
 यि ॥ वद्र कि र नव्र तिदिरुप या ते ज जो ती ॥ मुद्र
 मालनी उ अति वं दृदि न ग व्र ति इत्वरि ॥ १ ॥ या य मफ
 दि न ग ति दो उ था स जि वि न ति ॥ वि य म ते दु
 ष अ ति दि स र न स ग ति इत्वरि ॥ २ ॥ महि क

जिथा ना अति से ते ल पा वो इ म ति ॥ ग थी इ
क दिन अति ल ष ल पे मा ल इ सो ॥ ३ ॥ ज ग त
स म दु धि ति स दा सि व दि पि र ति ॥ ला क ह्मा मा दो इ
अ ति कृ पा पा म गु ति इ सो ॥ ४ ॥ रा ग वि भा स ष ज ती
म दि द र ना थ म न या तो रु प : मु नी म य म तु क स मा
हा वृ ध्व सो ना मन ॥ ५ ॥ म नि य मा ल लो क मु गा मो ली मा

हाल मदि ॥१॥ कन क कित कि स्वां न कन कष ताक
थी क ॥ कन कमल जो से का से कमल न य न मदि

॥२॥ त तु त से त न त स्वां न त या व द्यु निते निते ॥

ता ली का त न त त से ता व का त ले व न मदि ॥३॥

व या दे इ दे व न द को द ष दुर द्यो म् ॥ दिन वि व पु न

द न सं त या वः मदि ॥४॥ भ ग त या भ व न य न व भ व

महिं दे रना ठ कं जे म्भ

या जं दार दिक्क ॥ मनति अभा म्भै नि भन न थ का व
महिं ॥ ५ ॥ राज श्री कं जे म्भै दे वि क रु ना द या वः वि व
ह र सा न वि लु म ति आ नं द ॥ सि धि य ति ज न प टि क रु
ना द या व कं जे ॥ १ ॥ ज य ज य का लि का वि या हु न्य ड्वा
र ॥ सिल स वं द्र मा अ ति न स भा ला क कं जे ॥ २ ॥ दि ग्ग
लि ते ज जो ति सु ज जो ति को टि ॥ मन र थ व र न या ण ॥

विवद्विनं कंज ॥३५॥ निरुक्तं न माया ५० न रसनजो जगद्व ॥
 विदुषे मृगुति भगता न या व कंज ॥४॥ लता क ह्यादि सुज
 या विन टिजे हुन्य ॥ सु र ^{नो सा ५०} सा स देव व ज व क जे ॥५॥
 राज के राः वजति रिया पथा वला द्ये स ग रोजा ॥ तं दु ल दे
 विद रे य सु रा मा म दिल रे वि दे रे ॥१॥ तं दु दे विद दु कं म
 ज म भ यो ॥ जो मन भा वे स्व हि पा वे सु रा मा ॥२॥ य हि था

न दोल राजे हा मरि वो परिया ॥ अंतल को तव ना वेः
सुरा मा ॥ ३ ॥ आ वर सुरा मा म जालि षन न थो ॥ व व द
जख बुंन दोला वेः सुरा मा ॥ ४ ॥ सुर दा स आ सा प्र भु तु मा
रि द ल स को ॥ जरि वारि वारि ज थो य सुरा मा मं दिल रे
षि द रे ॥ ५ ॥ श्री ज जो पिं न जो कुल आ ऊं ॥ नं द्र पि ता सै ज
स्व दा मा ऊं न ल व द्र स व र आ ऊं ॥ ६ ॥ व हि नि सु न दा हा ज

अरि उर पिं न

तिरदिमिहरिजुआफुवोलाईकुल्ल॥१॥आफुतवालष
वापितवाकुलअनेककलादेवोमाई॥द्विदलनेकोडु
दोवजानेमधुवनवेलतजाईकुल्ल॥२॥माधववसिवजि
त्रीनजोपिद्रजोपिंद्रजोकुलआई॥वालषहुपलेमाति
जोआईनिनतुलो कदेवाईकुल्ल॥३॥देवविकेकालाना
येगुलावालाविषनचेनचलाई॥चेरचलाईथकि

थ व यो हे वे दे सुर रि व जाई कुल ॥ ४ ॥ त्पाम व र न को
अति हु प सु द्र व रि य त त नु व न जाई ॥ नाना विधि
को ज र मं ड स क ल दि न वि ता ई कुल ॥ ५ ॥ स प पा ताल
मे क म ल को फु ल कुल ले लि न प था ई ॥ ग ह द्र वि र सौ
वा स्तान जो रि का लि ना ले ना ठि ले आ ई कुल ॥ ६ ॥ क स हि
क पु त ज न न म कि रि दु ति लि न प था ई ॥ अ सु रि दु ति को प

करिमारिक सरह ले विषाई कुल ॥ १ ॥ कहें थोला भाव
 नावें सेर क्षित्त रिज्ज परन विहारि ॥ साधु सजन गाव
 यह रिगुन जो विंदना म पुकाई कुल ॥ २ ॥ रा ग के रा
 ब ज तिः माईम न का म ना भ वा नि जन निथानाव
 था स या तु न्द्र उ चाल माई ॥ मुनि माया पर वल स विज्या
 क वा स ॥ पुरान माऊ व मन या आ सा प्र सान माई ॥

मसियातुद्विभगतिजुलदिनतिन॥वरनसरनविब
द्विपालिसिपायामाई॥२॥भुवनजननीदेविप्रसन्नं
दत्त॥कुमलआत्ममनका मनाभवानिमाई॥३॥भरमक
रममदुकुमलियापाल॥जथ्रात्रान्यपालभवमतिनअप
लमाई॥४॥जथ्रजिनअकिरनद्विसरनसंलाये॥मदु
जितामेवआसाद्विपालिसंलायमाई॥५॥ताकस्माप्रना

थसि श्रवि च कथा जव ॥ कहुना मिषान जि के चरु
 त्रे दयान माहु ॥ ६ ॥ राग आ करि बजनिः हे नर कासि
 चिंत्य कासि चिंत्य ॥ कासि विनु त व कै से नहि निकल
 नि ज मरा ज हे नर कासि वि ते कासि वि ते कल देह सरा
 ज हे ॥ प्रथम हि प्रा न ना व दे व वि से सो र द द पा
 नि चर रा ज हे ॥ काल जै र व दे वि सु चर नी म सि

न द्वा ल पा ल हे न ॥ १ ॥ मा या मा ता माया पि ता मा
या ज स्र गृ ह मा रुं हे ॥ मा या वा पि त दे वि वृ प ल खं द न
गु न तु टि जा रुं हे न र ॥ २ ॥ रुं द्र य न त्वा न त्प ज ल ह ल
ने ज ल कै ला स ॥ न्प ति स को ति दे व गृ ह ल टे ज ल स्य न
हि का ति ग यो वा स ॥ ३ ॥ गा वे स्या मा सि व के स्य वा गा वे
गु न पे रि चारि हे ॥ यहि क लि ज्ज ग पा य वा पि त दे व वि

॥
॥
॥
॥

अस्वरनामहेनरकासिखिंत्येकासिखिंत्येकस्तदेह
सराजहते॥४॥राजकेरालावालादेविहि सरनवया
जिआसान॥जयदेविवालाहिधरनसरनगति॥
याकिव्रजिकिव्रनमाहुहिअगतिवाला॥५॥व्रयवु
नपिचाऊवसलिलयहुचासन॥कहनासिहुरेदि
नविबेकयाऊववाला॥६॥अन्येकहुपकालयाऊ

३.
प्र
३

न म ज्ये लथ नि ॥ ज्ये लं कि व मे व म दु द्वि के म गति म
न वा ला ॥ ३ ॥ म न स पुरा न या ज्ञ वि व स नि ते ली का
ध नि ॥ वि व द र स न दे वि ला क ह्या पा ण न व वा ला ठि
दे वि द्वि सं ग न व या जि आ सा न ॥ ४ ॥ रा ज के राः गान
षु वा ल म ऊ जे ज्ये व ल ॥ र न न पु स्य य न हा य । ठ थि
ऊ ण वा ल हे ज न मा ता हा य हा य गान षु वा ल म ऊ जे

थ्ये ब्रल ॥ स पना सं म वा ज्ये जल ठ थ्य गना जिं न
ला य ॥ गना ब्रा ज प्रा न नि हा ने गा न ॥ १ ॥ कर म
सं धो ऊ फल सु य म कु थ ब्र थो कर म ॥ जल थ थि
ऊ सर म गां न पु वा ल म ऊ ऊ थ्ये ब्रल ॥ २ ॥ पु व या अ
वर म के न थे ठे थु गु लि ह ब्रा ल ॥ पु व नि वे द न ल
म गा न पु वा ल म ऊ ऊ ठे ब्रल ॥ ३ ॥ हरि ना म

सिध मजा क मन हरषन थन नग नम स ॥ ३ ॥ स्रव
क मुञ्ज व्रवो ज्ञ भजन नया ज्ञ व ॥ द्विपालिया को स
वि व्रजिता को स गने स कु नया गुरु सिध न का
व ॥ ३ ॥ राजा सावरी व्रजतिः हे प्राभु कहना मा
इ ॥ ६ ॥ पंकरजन नया तु न्ये स्ये व क ऊ चार रे ॥ ६ ॥
कि फुल कि वया जि द्वि वर न दे कि म्रव म वाज

३
५
३
३
५

वृक्षे प्राभु ॥ ११ ॥ न जगत्प्रकाशितानाथ दलपेक्ष
सिम्भन वयाजि आसान रोत्यल यो प्राभु दिन
वा न वसिस्तथ मल हि वप्रन ठषाज्ज वृक्ष प्राभु
॥ १२ ॥ ते प्राभु चरन दिपालि संखोजि सरन सं
पश्य किस्त्य वाजि सदान रे ॥ न जगत्स्वस्व दिनंद
यान दरसन विहु न्यक्ता कल्लाषाज्ज वृक्षे प्राभु क

श्री
कृष्णार्चनम्

॥३॥ राजगोरि षजतिः फल कच्चार निषंद दृष्टि
सुष षंदन कर कर वारे ॥ विपुच मुनि जसाम
दित कर वर चाम नि कर कर राज्ये ॥ अश्रौ जग
दं वेत न्न पद म पुजा कुं हे ॥१॥ ज्वलित कुंद लज
छत लज्ज गालु चिर मुष न ग वारे ॥ न मृत जन
कर ति मि र वि र र न दि पद न ष र सारे प्रथी

॥२॥ लोहिनिबंदनसाधिनिलयनितटिराकवि
रमितभाले ॥ मधुरजननमधुजनितसिद्धमहि
पानिकलितकपारेः अथौ ॥३॥ भनति नृपटिप
लं कृत्ति कुल सुदृष्टमिह नरवारे ॥ भुवनभयं
हरतानरकृतमहिपानिकलितकसाल्येः अथौ
जगद्व्येतवपदमपुजाकुहे ॥४॥ राजमालव

३.
३२

लोः मनया रसन वया कपिला हा ससिव दद स
नमन लहाय ॥ श्री नाभे स्करिया के दरसन वया
थ शिवि हुन्ये रेः साहा दे वि हुन्ये नाठ ॥ १९ ॥ का कला
या मरा रथ पुरे या अ व वि व क हुना नि हुन्ये दृष्ट
पोल ॥ स्प व क मुख व या हि सरन सं स्वय न्य लोरे
ः साहा देः क हुना मि षानं ॥ २० ॥

राजेश्वरिणोः जयजयभगवति हृलपोलतसकोति ॥ विद्यान्ते
त्रे जितावरदान ॥ सिवकसिमुदपतिर्ज्ञाताङ्गनदृगपटिमनुव
सुनरआदिवाशजयजयभगवति हृलपोलतसकोति ॥ १ ॥
असुरयाअधिपतिस्मायसदुविकर्मति ॥ देवतानकहनादया
हाव ॥ सिंघयारथसदास्पेलोजदकोहातजोसेरसनविज्याईवस
दानजय ॥ २ ॥ अतिभिळुलुतोलानभिळुलुनदयकाव ॥ स्वस्मादे
विदथुसस्वाहान ॥ माहारक्ष्मीपिरतिनभावयातभगतिनपुजा

ब्रह्माविहित्यथाञ्जव्रजयः॥३॥रक्तजितनृपतिनृप्रजापधंसा
तुतिन॥सुवेलासंतुलंनदुताहाव॥भैरविमातृकाजनज
नपतिगुरुवननागिनिद्वत्रनकृत्यकाव्रजय॥४॥रागनाला
षजतिःरथसदाञ्जप्रभुआनदविज्याक॥आमावृजतसेजत
स्यजतमिलसनयाहाव्रलोकनाथविव्रजिताभ्यानवह्ररदान
॥५॥वास्पधोनपलस्थानहलमिषाभावा॥सुहृजथहिक्का

पुत्राखितथाहास्रभावलोक॥१॥ अन्यगतरत्नमालानिसानटिया
व॥ तटह्यामुवा मुस्मानसिलसतथाहावलोक॥३॥ पुनरक्षिमा
सामिश्रीराजिंद्रप्रकासमोल॥ काकवलविलथवमुखाभालपाहा
वलोकनाथविवजिताभ्यानवरदान॥ ~~गजगुह्य~~ ~~श्रीः~~ विज्या
कनागयाह्यासअकासस्वयाव॥ नागनकुयकावजलसदुज्जवनि
लकंथपरसंज^नव॥१॥ वान्यथनिशिलकथदरसनयाय॥ मुज

वरधोने आनामगतिथाऊ वरनिल ॥२॥ लालजा ह्माठ कृतानिवि
 वदरसन ॥ उचा लया स्रहलषा वर ह्माजन निल कंथ पर सजु व
 र गविभासः हाय सिंध राजा जिजुल व सयाषा क्ताय ॥ हा दे सुभा
 दुराजाया क्ताय वा के हलधो सलषथ ठिं ऊ जिवन सजिवास ॥
 तथमत्पलेन का वरधो प्रान का दुन्यमथा नः हाय सिंध राजा जिजुल
 सयाषा क्ताय ॥१॥ हा दे लिथु थु याजा लसंथो वालष वा के हल

थ हिं ऊ जि वं न स जि वं स ॥ त च स त्प ले न का व थो प्रा र न का हु ने
 मा था नः हा य सिं घ रा जा नि जु ल व स या बा हा य ॥ २ ॥ त ज को ला
 व ज तिः आ हा दे ज ग त ज न नि धा व षां न हं दे ॥ प लां धो या प र व न
 न वा नि शां वा स या क ॥ गु न गु र कु ला व वि ज्ञा हा क हं दे क ज ॥ १ ॥
 सा त्र अ व्र ध र जो से ध्या न या म्प त्प ज जो ति ॥ मु मु मु न क्षि ला व वि ज्ञा
 क हं दे ज ज ॥ २ ॥ र न जि त र स अ ति न ज व ति भा व भा ति ॥ व स या

५३॥ श्री ५५॥ म

मनसं प्ररेयावहेः आस्तादेजगतजनशियाववान् ॥२॥ राज
 श्रीः योः तादेमनियुनिवासिनि श्रीवर्जजोतिशि ॥ सिंधिनिह
 पिशिः चारिंदेविवापिनिहपि ॥१॥ ननयनसुतनः सारमुद्र
 मारनि ॥ र्परिगिनिहपिनिहैषासुरकरनासि ॥२॥ तैलोके
 जननिहसोरिकोहिनिहजान् ॥ नैरविमात्काजन्येसकुंमा
 रिका ॥३॥ पंधक्तवानललानकनाजअस्तभुषिनि ॥ ताल

भरन सुज कोति रगत वदन ॥ ३ ॥ तो हे देवि सुमरन तो हे
हुजति रनि ॥ संकसना रनि कृपा करो श्री भवानि ॥ ५ ॥ श्री
परना पुमल स आर कि साध ॥ रिपि कुलना स्ये करो हृदय
उसान्य ॥ ६ ॥ राजनतः वदलानाम काया व ॥ प्रथम संस्य वलवे
वदलानाम ॥ भजनत सामनया ज्ञो मे गनाः वदलाः ॥ ७ ॥ वय
धुन दिसरनः दिपालिया को स ॥ मन्यज उव काल या ज्ञ राम

अथ मन्त्रः

अथ लः वदता ॥२॥ ज्व पालमा उ प काल या य मालदिन ॥ ता
क ह्याया विन ति ठे तु न्ये थो गतिः वदता नाम का था व ॥३॥
ता ज माल वः ताल वोः ज य म वे प रि दे से नाम दा अन डि
जि दे से कु मारि भ वा नि वि न्द्रा ज्ज ता व ॥ व स ल पु ज न प नि तु म
नि न या त ज्ज न शि त्त स्य वा या य म ति आ ता व ॥ को ला ष मा ज्ज या क
पा ता व ॥१॥ सु मे रि था का था क तं व य रि न या त वा स स्य व रि
कु ना ति त्वा ज्ज ता व ॥ सु र वि र चि र ज्ज न प र जा स्य व क

मुनाग यथा यथि ठि धो य कां हा व को ला ॥ २ ॥ पर मान प
नि स्मन प्र नु या आ दे से ऊ ऊ न त ह था ल ऊ न य का हा व
॥ पं च प्र जा सा ह नि न क सो या व ज न आ क मं त व धि
व ध न ता ऊ हा व ॥ ३ ॥ र ह स सि पा हि आ क व य रि आ
ना आ क सा ऊ का न्य जो ल स वा था हा व ॥ ष प थि मि न
दे व दे वि ज्ये पुरि स हि त न न स ला क वा नु मि थ्य ऊ हा

न को ॥४॥ नि पा ल या सं व द्य ल था स ल जे य द्वि व
ले ञ नि ता सु वे ला स्व ह या हा व ॥ मा घ क पु नि ये सु
म रि नं ज ल थ ल त जा मं त से व क मु ञ हा वः को ला
॥५॥ र न जि त न् प टि न लो क अ ति र स व कि सि प्र सा
प वि हि या हा व ॥ ज्व कु ल न थ न लो ल पु ल ज सु ष ज य
र दि मि ला य नु न शा म ला हा व को ला पु मा ज या कु वा हा व ॥६॥

राणसिद्ध्या॥: द्विधा द्वि थां ह मा न का व ह रि-यां ना म का
 व॥ जन स सि वि प टि: जन या था कु ल: जन स वि ज्ञा ना
 व द न॥ व र न सि व ल पे व द्दि या द्वि नं: व लि त्र लो क
 उ प का ल ना॥१॥ द्वि या॥ ज ल यो म ज ग ति ज ल यो न ग
 द व: ज र्ज व ज ठे ग था आ व ना॥: व न स म न त ते: व र म न
 व ल पु पा प स लि ल ना: द्वि या:॥२॥: प्रा ने ते ल वि दि अ

वृ निद्रजनपरिस्ताः वानाशा वृयसियमानिस्ताः॥ जया
वोनषवः जनमयासासनाः जनसदुषसिलजकन॥
क्रिया॥३॥ कलिसजरमकपतिपापमनकठिऊजती
लायलोकतां॥ शुगुलियातुनिशाथुगुलिजरमसंश्र
नकावृहरिनामकावृताः क्रिया॥४॥ मनुषेजरमम
जुलेसदानमनशागथेजहेमसिया॥ मुजनयासुव

वनसुमतिमडेनावसुषसंपावभोज्यलानक्षाः क्रि
या॥५॥ कुसंगसंगसंकुवृषिषावमतिकुगतिकुल
नासजुईक्षा॥ दयावचनद्वयदम्पनदानमयादा
लिद्रजुईलिधुजरमः क्रिया॥६॥ मबुथथोसलिलम
बुठेतिरिजनमबुथेपुत्रपरिजननाः॥७॥ धमनयाको
ठवृतादईवृथमनदानपुन्येमालिनाः क्रिया॥८॥ वल

ठ व द व च काः वल म दु ल्मा व ज न व ल न दु ष वि स्य सा २ शा
मा ॥ पर य ता दु ष वि या प द म पा ला इः पर लो क न र क सं
शा इ न्नाः :: द्वि या ॥ ८ ॥ सा ल यो सा ल सं सा च व सं ग सं : सह
ज न सु भ ग ति ला इ न्नां ॥ पर य ता दु ष वि या प र म च र म प
र लो क न र क सं ला इ न्नाः :: द्वि या ॥ ९ ॥ उ ज न वा प फु त उ त
न्ये ह रि क था हाः उ त्प न्ये न्ना र चः पु सं न न्नां ॥ ज न म या वां स

रविमन्तरायन

केनै जतनन जषनः जतन हरिनाम का वृक्षाः॥ हिया ॥ १० ॥
राज ~~न~~ रविः लांः जयमाहा लक्ष्मि तनु ॥ ताल पिं बहु पि
था से भिंछ मे हा ला व ॥ अ पछि पन अविं दे आं भल जाला
वृजः य ॥ ११ ॥ लाल रक्ष जितन ने र विद्या भार ॥ १२ ॥ राज सि
रुजाः पोः कृष्ण ज विना सा म दु थि र मनु व ले ॥ दहल पावि
रहनः दं द जिनु ल मन ज ये पो न्ये व ह्या व विना न शि ॥

ॐ कृष्णसभा व मन नृपाल मदि न अति वोचया यमजिव
 परान शिः कृष्ण ॥ १ ॥ वसम दयका जिनः मफ या थ या थे घ
 रिदि न दाय जल जि द ह्मा मि ज व नि ॥ वि व द र स न वा स
 म प रा ति रि या ठा स त्व व प्र भु क रु ना द या व निः कृष्ण ज
 ॥ २ ॥ ज थ्ये न थ्य नि व ह्मा न्य थु ज लि दु ष सु के न्ये या इ वि सु नान
 जि पु पा ङ्गी नि ॥ इ र स न म वि या व व थ व न नि म सं वि र थ



क हर मान तुल ॥ ३ ॥ श्री जिते नाथ वैवशुन ग्या वि लो
दु नि य ता ॥ शु न वि ल द पो लं लो क दु नि य ता ॥ ४ ॥
श्री रा जा रा जिं रु वि क्र म सा हा दे व ॥ लो क दु नि य
ता आ हा त्र क हं ना द या हा ॥ ५ ॥ रा मा र तिः दु दु मा ला शु
शु मा वा ता स जो ठ न व्र जि व य ॥ प्वा स्मा मो स्मा रो ग त्व
ला न का की य म र णा र वृ सी या हा य हर व न वा ने ॥ ६ ॥

२५॥

न वा। क्वरे म निः कृत्स्न। नु विना मदुठित मज्जवले

त ग सा रे त्रिमा ता र दि मि न मि र व वि ज्ञा क प क्षि म

सो मां व ॥ लो क दु नि य ता हर ष न कृत्ना द या व ॥ १ ॥

सि हि ग न प ति दा तां सि धि फ ल वि य मा हा ल ॥ लो

क दु नि य ता आ व्र सि धि फ ल वि र ॥ २ ॥ श्री बु ध न ग

वा अ न पा नि न रे यां ग वि ज्ञा त ॥ हर ष र स न आ व्र लो

मे
ने
प
प
प

तन्मना लवः हरजि रिजा मति कुंज कुंज सित सिल बहे
निल मल जंजा य ॥ रज निल मल चर मेहु रि वि भु वि
न दे वि क रि ट अर चज ॥ १ ॥ विरि कं मला पति दे व अ
दि न पति कर य प दं ज ज म्प ला य ॥ भज त मो नो र ठ
वि व स्मा सि व ना थ भु ज ति मु ज टि वि व ज्जो टि ॥ २ ॥ जय
क हु ना मा उ वि स्व ल व क ज ति मु नि ज सा कर ज न ग्या

निय ॥॥ ॐ लजसि बहं वरवारि पटि वर प्रजा स्म वक
न हि जान्म ॥३॥ न व वृष भासन नज मय मृष मृ पती
द्र स्म वागु रा मान्म य ॥॥ पर न र च रा नि पति रुद्र यक
जति रु स्म क रह अव चान्म ॥४॥ ज यज यज य हर सब
हु क मृष कर वि विरु वि बु च वर तो हे ॥॥ वा घं द्य ला च र द

मह। तत्पुंरकरसमसारठितुवं सोहे ॥१॥ सकललो

कजति तत्पुंवनअधिपतिदेथुमुग्रतिफलदांन्य ॥३॥ अ

वनफनिपतिस्त्रपरनिसिपतिसुग्रनपतितसुग्रान

॥२॥ विमुतिकरहअंगसिलवहेजंगावध्वजध्वरको

पथारंज्य ॥३॥ पारवतिसयारंजेदाकिनिसहसंज्यकहे

र ह मुनिजन अंगे ॥३॥ जज त क र्क स्वर तो सा हे म हे स्वर व
 ष भी व सन तु व द्य हे ॥४॥ र विकु ल म ल ख र नु प ति कुं द
 भ न्ये वि स्वर ह मुनिजन अंग ॥५॥ राज के त ष ज तिः ग
 न प ति ना मनं सं सा र न भ ज नः दि वि दि ति सु र ना स न उ
 व दं त न ॥६॥ कु ना धि त या धु न वि ज्व ल नु वानः जनः ॥७॥ सि स

स म त्रुं क न मु नि मा या ति स्मा ना ॥ कृ त कि या स्था न न वि ज्ञे
ज व द्रु वानः जन ॥ २ ॥ व द्रु मा या व र न सु र्ज या ते जन
सु र वि र र क्ष न म द्रु कु ल जो ल नः जनः ॥ ३ ॥ ज प मा ला
जो से न सु प त्र मु ल न ॥ वि ज न वि ना सि नि वा क्षा ति द्रु
मा नः जनः ॥ ४ ॥ वि व्र जि ता द र स न म न र थ पु र नं ॥

निधि सिन्धि जो ल नं दि स र न व र नः ग नः ॥ ५ ॥ रा ज
 को लाः ग न प ति यः ॥ मा न्य गु न्ये न जि रो व र ह हे ज्य ॥ ॥ सु
 र मु नि ज त ज ह न तो हे र व र ह हे जे ॥ १ ॥ क पु ल य ज र
 म ध्वे न म र सु सो ह हे ज्य ॥ ॥ ग जा न न त मु व न दे हो मो रा क
 ह हे ज्य ॥ २ ॥ व क र न व मं क स वा स ज प मा था न ह हे ज्य

॥ विधि निरै न पासे तु व त्व व व द न जे ॥३॥ नृ ब्रज ज जो
नि कैंद यहि अ नु मान्य ज्य ॥ रा हा ग को ला व गा वे य
हि ज ति मान्य ज्य ॥४॥ म हें सं न द न तो हे ग न्ये सं: दु रं क
रे रा मा हि भा व क रे सं ॥ तो ह र व र नू के न हि स्य झा ॥
से वि घ रे के न हि दे व क रे सं म हें सं ॥५॥ तो ह र व र न क

हि नैवे ॥ जं कर रे नि स गु न अं त र या वे मं ह सं ॥ २ ॥

न प ज ज जो ति म ह न जा न्य ॥ आ दि य रे रा दि य तो ह र

वा वि म हे सं ॥ ३ ॥ रा ग ना लाः कु मी कि त ज त दे षी

स र ^व अ स रु पे ॥ मो ह मा ल नी रु प न ब्र ह्म य क रु पे

॥ १ ॥ मा या जा ल फ न दे षि कि दु व न ^{सु} मे ॥ क ती हे

प
र
म
ज
ओ
र

ज त न के न के न के न हिनुरे ॥१॥ ओ ग ल स अं
जो ह न य न जो अ पावे ॥ पर सुष समुद रह
रि र य रा जे ॥३॥ नृ प ज ग जो ती कह य हि अनुमा
ने ॥ नाथ रा ग गा वे वर तार प रि माने ॥५॥ सकु वी
त देह वर य हान कि पावे ॥ न या न ते जा वे नृ ज अ

त अ उ धारे ॥ १ ॥ यह रि च हित य हा न कि जो ग ॥

बुध द सा थी क पा प क भो ग ॥ २ ॥ वृ ग रि त त द स

न व धी र भे र का नु ॥ ३ ॥ आ न क ह य रि यो आ व ^य आ न

॥ ३ ॥ स प नु क ज न ज त क र ये रि मा षी ॥ ४ ॥ दिन दिन

वा हा व र ह रि द स उ धा रं ॥ ५ ॥ नृ प ज ग जो ती क ह कि

हो यत्त माषी ॥१॥ अच सुवे तह हे हि पृ द दे आषी ॥५॥

रा ग व दारि : ससार जर षर ह गो कुर स माने ॥५॥ प

द जि व व्ही वा गे कर य क बो ले ॥१॥ सि ती रे सि ती रे

मु ष न हि वो ले ॥१॥ अत्र सल ता के या छे क र य क बो ले

॥२॥ न मो न व रित दे षी जि वो मो ल का वे ॥१॥ के मो

ने था कि वी व्र था है रों माता पावे ॥ ३ ॥ नृ प ज ग जो ती

क ह ह रि य र तारे ॥ रा ग व द्वा रि ^{गा वे य ति ष ड तारे} ~~दे~~ दे कर य क वो ले

॥ ४ ॥ म म ता म हे रि वा रि य ॥ दे हु ते क त लो वि बाल

प्रा रे ॥ ५ ॥ ज म गुरु ग म म व द्वा न य ॥ अ ह नी

सि ध र य वे या प्रा रे ॥ ६ ॥ ता हि दे उ व र री य पा पा

रिच ॥ वृषमजल वीस साल श्रारे ॥ ३ ॥ नृपत्र
 गजोतीय हो गा वे य ॥ ४ ॥ अबहु ते जव जत भाव
 श्रारे ॥ ५ ॥ राग वना श्रीः अमी हे यः जे वि दे
 श्री कु मा तारी रो हे ॥ ६ ॥ रग्य आ रो उ जानी दिन घत रे
 य हो मा ली नी ॥ ७ ॥ श्री गत यः जे हे रो दि वा क

सो रोह्य ॥ श्री जीवास दे हो तो जीव हरे य हो मालीनी
वाल हव वन सुल वने रोय ॥ वाल यक लषह
॥ जीव हरे य हो मालीनी ॥ न हि वन न ही जन हि अन
॥ देव ॥ मय कर जाय तो हेय कर सवा ॥ तो रा कहना
ते मोरा सब पे रिपु रे निय पद स्व जनु कर डरे ॥

निते नीने मनस मइ नुव जासे ॥ जे हंमरा कर

त सुनासे ॥ ३॥ जगत र्वका स नंम नुप्रती नासे

॥ पुन हववाय सामरा मन प्रासे ॥ ४॥ रागवका सी

जयजय दुग्गवन यत्नान नीहेरि हर खिड सहित रहवि

पती ॥ सुरहनर मु नीगन अनद करहनी ॥ १॥

मधु कृतन वल्लभा सुर विदारिनी ॥ १ ॥ वं वर वरन वं

द्रमुद्ररु विपती र शुवि जेनी सुन सुन गुन रूप ॥ २ ॥

प्राण वि प्राँ वि कर न जित नृप ॥ ३ ॥ कौने ना ती वरन वतु

३
वृगुने प ॥ ४ ॥ वोः महे सनदन तो हे गने स ॥ मोहर व

५
रन केन के न हि से वा ॥ ५ ॥ से वियरे केन हि दे व करे स ॥ ६ ॥

लोहुरवर कहिन जावे ॥ जकर रेनी सगुन अतरुणा
वेमहे ॥ १ ॥ नृपजगजोती यहं नगावे ॥ आदिय रेरा

दिस तोहर पावेमहे ॥ ३ ॥ राजविजे : जयसुर

नायक नृचक्र न सुदरग वरितरित अरखंज

य ॥ ससस्वर मउरिज तावय मजीत नील

५
प
स
स
नी

मल गंगा सरगे के न कल यतु वसे वा ॥१॥
धरवल वपुषन पंवन न द सव जतु न यनु
षन ग प्र ग य ॥ वसन वच वर पृथीवनम
जीत प्रमथ जन सरंग ॥२॥ मर म त वित न के
रित विष वर वि नुती ले ले पित प्र ग य ॥३॥ सुरन

ॐ मुनि गान के नहि से वाष दी तदु दी तरंग ॥ ३॥

हे रि कमलासन से हे देवी व जावल सुररी तारम
दग ॥ ॥ कवि जु पती प्रभं ने नीते था वद कम

ला विनासन रग ॥ ४ ॥ जय काली के जय काली

केः सकल नुवन जन पाली के जयः गिरी वरन दी

• निरु सुरनी षदीनी जन रा री नी ज ग मो हे ॥ हर

विरती पशो न द से व क के न क ज य तु व ना न्य ज य ॥ १ ॥

हि मो ल ज त ह य न व मे व ग म ग य क ली य सं दृष्ट

पती मा ने ॥ ज ग त ज न न नी ली य पु ली य मो ल कृ य

सु ष ष वि ह रि हर ना न्ये ज य ॥ २ ॥ राज प्रथम जल

॥ ५ ॥

माधव वसुवृषदश्ववुडलसारे हृदयवुडलवाल
वाल ॥ गोहंवलसुनुकहमा रे ^{वि}तरगायजोपारे

॥ १ ॥ वालकयध्वनजनसरवेमायाजारे ॥ जानी

^{देखरसकलमसारे}
कहुतेजससालेतोरि तहरनडुधारे ॥ २ ॥ नृपलन

जितमहोगावे ॥ किदुनुहि मोरनारे तोहरसरनडु

॥ ध्या रे ॥ ३ ॥ माध्व व विनती ह मार गो दिन विनती ह मा
॥ ३ ॥ देश लज मि सकल स तारे ॥ ३ ॥ भुवन जी वन धन सर
वेद्र प्र जाने माध्व ॥ १ ॥ कि दु वन क य न प ल उ प काल
॥ ३ ॥ अ वि रं वे य तु व ध्व अ जी वे का स माध्व ॥ १ ॥ कर ध्व
म कुरु न हि न व न दि वा ल ॥ ३ ॥ तु व य द से व क जानी

गोपाल ॥३॥ वृंजरलथीरुनहि ^{वेरी}सूर्यपाल ॥ जयरक्त
जितननेयतानविवालयमाध्व ॥५॥ रागमालवः
ममीय किरनतुववदनजीसदपदतूनयनपदअ
नीरामे ॥॥ कुंदरि कुंदरनरसुवनसुंदरअतीकोती
सुहजसमधारेरंगअगमसगनीजगमकयानीमे

तेन केस ॥ १ ॥ ध्वयलमकमलाकंधदमहृतसुरध्व

रत्नहमगनेमुद्रमाल ॥ कलीततवाद्यवरप्रीतकी

रनषदिसुविमलमनुररजारेरंग ॥ २ ॥ वामनय

मरध्वमगनेदिनीजसुतसुसलीगतकुमार ॥ यत्नान

दिजजगपदकेनरध्वयजतापेरिसुनसेरिधारेरंग ॥ ३ ॥

मुनी मनुना रददि न पती वा स य के न र करतु व्र धाने ॥
अह नि सि ना नी त वि स्व ल द्धि मि दे वि न द न र क्त जी
॥ त ना ने र ग ॥ ४ ॥ य गिरि ज्ञा प ती दू स न ते सः ॥ ग व्री
॥ त रि त त नु फ ले प ती हारे ॥ स स ध्व र शे ष र सु र ग न ते
॥ १ ॥ नु प ती दू प्र नं ने सी व क रु पे ॥ अ नी मा ता भु

॥३॥ लन सुरजन मुल ॥१॥ रा ग जै लः श्री गनेस
॥४॥ सिखी दाता बाल कुमारे देवि ॥ नवरसन वना धने
॥५॥ रवदेवि ॥१॥ ब्रह्मयनिमहे स्वरि कुमारि देवि ॥ वि
सुविरा वा हा इद्रायनी देवी ॥२॥ श्री पसुपती नाथ
बाल सुखिना जनाराज ॥ गुजेस्वरि भागेस्वरि जेस्वरी

देवि ॥ ३॥ श्री जय काली मातु मातार हिमि देवि ॥

॥ श्री सुजीद्र माताराला जा नरपती वखान ॥ ४॥ हर

अ षन बाने नु कयी लास बाने आवः ॥ परिजन मुनका

ब बाने नु आव ॥ ॥ गने सकुमार सदिन नु आव हर ॥ १ ॥

निते नाथ मादमान वसधुन आव ॥ ॥ पृथी मजल स्वय

प्रथम
खुन आवत हर ॥ १ ॥ राग विभासः प्रथम कवय दु
तो हे देवर होय तमा खवव कत दुर जे रा ॥ समय
धेवर आवे राहु मागि सार ददा यय धपर गत ने रा
हे ॥ १ ॥ बिरह पियः यवे रिह रि वि नुरह पारव करतो
हे मोहि सक का जे ॥ तमर सद न कय का मागि नृत

हृजोगि नितो यय क ता जे हे ॥२॥ हरियः

यवे^{रि} हृ पिदित कर अ ती बी न आ मि नि जे से स्व

भ मा स ॥ हृ ज व न हि मा रि मो हृ ध्व नी के स व त नो ह

य अ प से न ना स हे ॥३॥ ज ग त प्र का स नृ प ती य

हो गा व य ना ग रि वि र ह क वे द न ॥ नृ व न ना थ म हे

॥ स्वर यजु ग रा ग ध ह मो रा मो न हे ॥ ४ ॥ देवि जि

॥ रि जा य क ग ती :: नी सी धी व र न स रो ज वि जा ने य

॥ क रू का रू ना दे षी जा ने दे वि ॥ १ ॥ ज ग न मि दे वी

य द दे ष र ने य ॥ सुर ग न मे रि अ ण ने दे वि ॥ २ ॥ वि

धी ह रि ह र ज सु क य ल मा ने य ॥ स व त रू का रू नी धा

ने देवी ॥३॥ जग न मि दे विष द दे ष र सा ने य ॥

न य मो ल लाल उ बाने दे वि जि रि जा य क ग ती मो हे ॥४॥

म
५
६
७
८
९
रा य जु पारि :: असि ख न य : जे सु ख र मा ग लो ड न

य जे ॥ न ग ति न न ज ल पे सि धी बु धि ला य जे ॥१॥

ज य ह र य : ग गा जु या म ते उन ला का ज ॥२॥ था य था

यदि नती से स्नाय न व न हे जे ॥ १ ॥ पसु रा मयः अकु
सया स ज प मा ला रो जे ॥ कली स दे क्ष त व व ल
आ दे स्नाय न व न हे जे ॥ ३ ॥ लाल नू जी त न से न अ
न न हि या व्र ज ॥ सत न म य न न आ दे ज दि ला ली स ला
व जे ॥ ५ ॥ ग न ना थ सिन्धी प ती वि व र दा नः प्र थ म

स न म स काल या ज न द ल पौ ल ॥ वि व्र जि ता अ
ज म न वा ल क खा ज व्र ज न ॥ १ ॥ म ति स म न न
ख ज जाल पे म फु त यो ॥ मा या मो ह त म का म
तो ल ते म फु त यो ज न ॥ २ ॥ वि व्र जि ता द र स न
क ल्मा ख ज व्र ॥ ते लो प्रा न सि ^{धो} प ती द या द य का व्र

५॥ जन ॥ ३॥ रा रा य हरि याः क रु तु नु नु ष न व ती नु
३॥ ष न किं आ रे ॥ ॥ ग रु व वा ह न हे रि हर न हि जा ने
॥ १॥ र दि मि न म न तु मि ध न कि व की जे ॥ नी गु
न म गु न हे मा स क ल स ता ले ॥ १॥ ज ल ध तु द ल ल
नी मु नि मा या मा रे ॥ वा द्वि रो क क क क क क ह ई
धे रा जे ॥ ३॥ नृ प ज ग जो ति क ह तु मि म नु मा रे

रा ग प ह रि या गा वे ष हो च कां । रा ग सा लजः ज य
ॐ नां ग न ह दि वा हा न मृ ग रा जै य ॥ अनु ष ने से व य
ॐ वि वि सु र रा जे सु नु सि य हे ॥ १ ॥ तु ल क ल अ र व
ॐ ग स सि से ष र द स ने य ॥ न ग त क ल रं प त रु
ॐ न य न य न सु सु सि व हे ॥ २ ॥ न र मु द्र मा रि नि
ॐ ल ली त व स ने य ॥ ह र म न मो ह ति नी सा ल स

व दने सुनु सि^व है ॥ ३ ॥ क रो जो रि नृपति नृपवरभा
ने य ॥ स व क^र ज न न जा नी के अ अ व धा ने सुनु सि व
है ॥ ४ ॥ व स ल कु द ल द ल स स ख ल जा ने ॥ आ ध
स ली ल अ व है मा जि रि वा ल ॥ ५ ॥ न या न नृमी
स सित द ह न बि ने स ॥ ज स प द से व य ध्वन
द सु ले स ॥ ६ ॥ कुं द कुं द ल सित दे व म ले स्वर ॥

जगत्करयतुरुसुखरसुखेस ॥ ३ ॥ प्रमथगनक
पतिगलेफेनीहाले ॥ जयनुपतीद्रकहकरतु
धाते ॥ ४ ॥ रागवदरिः नगवतिपपदजु
गअनीसीमाने ॥ सेहोयहोहोयतअसुखे
दुषहने ॥ ५ ॥ हरिहरविधीघरपदघरजाने
॥ तुगुनबापिनिदेवितोहरदानि ॥ ६ ॥ नरप

तिरं नु जी त न न य सु न वा नी ॥ क र ह उ च्वा
र म हि तु व सि सु का नि ॥ ३ ॥ रा ग ले त न
र वि : तै लो क हि य : तै लो क हि वा पि त स ष र
हि सा र ओ उ रि हि दे रि नि वि रा जे हे ॥ नृ सु र द म
उ क र व र य अ न य दे रि सी नी संहारे कर तु व
रा जे म ते सो र हे ॥ १ ॥ शु त ग न य : शु त ग न ह र

गन सं गं र ख रे ल उ ध्व य वा द्य द्वा ला मो हि हे ॥
 दृ गं तु व स न मो रा दे व हि से व क गं गा ज ता पे रि अ
 द्वा जे हि रा जे म ते सो र हे ॥ १ ॥ हा द मा ल य : हा द मा
 ल मु प्र मा ल ब ल य अ हि धु धु र हि ल ध्वे रि त्व आ
 हे ॥ व स न हि रं थ क य व ला य अ ति तो हे त पु
 हु प या न म न मो भा जे म त्व र हे ॥ ३ ॥ ज त प्र का स

श्री
म

कहसि वषट्क वेत्त वल देधुत ले नृ न वा नीह ॥ मा
लीसुत दुहु भवे न वा न भति दुष दुष्वा लतु मा घी भा
यि जाति रा जे म हे स्वर हे ॥ ४ ॥ नृ गल सं म लु या व्रज पया
ध्य गुरु मानि संतर संज को जिजांषी ॥ नृ रुं जि थे आव
लिन गल सजा जत न हिं या व ॥ विन ति ऊं दु हु न्ये श्री मा
हा मे रुं र व ना थ ॥ १ ॥ पाज ल पु ल न नु ल , जा ज ल वोष

७७ पत्र सं. १००० वि. १०००

प्रा नि नं गु पु नु त्व या अंतर सं॥ पा ज न पा न्य म जि व
व व ल सं श्री रा जा हं हं सः॥ दिन ति ठे तु न्ये श्री मा ता मै
रि व ना थ॥२॥ ज र म या दू बाल सं ले बा वि ल वा ने मा
ल सु मा ल शा क्त य म ते जि ताः॥ के न्य म ते जि ता दु ष कर
म सं धी स्म हं गु म सि ग्मा दिन ति ठे तु न्ये श्री मा ता मै रि
व ना थ॥३॥ हा ज स लि ज्व जो ल पा या य म कु द न्द्र पा न

७७ पत्र सं. १००० वि. १०००

पनाथ ॥ ३॥ तांज नालि पवना धि पा वा य म पु र द म्भ त
ल पानं भाल पे म क्क या ॥ वि र थ न वा नि शा नि दु व पु
न कि व्र व का ला य वि न टिं डे तु तु न्य श्री मा हा मे रु र्व
नाथ ॥ ४॥ गृ वि त धि नि धि ना ते स्म स ग न्य स सु द र्नी
॥ इ र्द सि ले सि च रा हा ता ति त्व ने ॥ गं ग न स मा न
को धर न च क र ल ज ता जु ति ॥ न स मा ले पि ता स दा
स ली ले ॥ ५॥

नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

किं व्र व का ला य
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय